परिभाषा

ताल – संगीत में समय मापने की इकाई को ताल कहते हैं।

मात्रा – संगीत को समय में बाँधने के गिनती को मात्रा कहते हैं।

लय – संगीत में गति अथवा चाल को लय कहते हैं।

लय तीन हैं :

(1) विलम्बित लय : वह लय जो मंद गति में हो।

(2) मध्य लय : जो न धीमी गति में हो न तेज़ गति में।

(3) द्रुत लय : वह लय जो तेज गति में हो।

विभाग – खड़ी रेखा के द्वारा ताल की मात्राओं को छोटे-छोटे खण्ड में बाँटने को विभाग कहते हैं।

सम – जिस मात्रा से तबला या ताल वाद्य बजना शुरू होता है, उस मात्रा को सम कहते हैं।

ताली – ताल के ठेके को तालक्रम में जिस मात्रा पर एक हाथ को दूसरे हाथ से टकराते हैं, उस मात्रा पर ताली होती है। हम कह सकते हैं कि एक हाथ को दूसरे हाथ से टकराने को ताली कहते हैं।

खाली – ताल देने के क्रम में हाथ को हवा में बाहर मात्रा दिखाने को खाली कहते हैं।

कायदा – बोलों को लय एवं ताल में खुली मुँदी के साथ-बजाने को कायदा कहते हैं। तबला सोलो वादन में इसका प्रयोग ज्यादा होता है।

पल्टा – कायदा के बोलों को भिन्न-भिन्न प्रकार से बजाने को पल्टा कहते हैं।

तिहाई – एक ही बोल समूह को तीन बार बजाकर सम पर आने को तिहाई कहते हैं।

मोहरा – वैसे कोमल बोलों का छोटा समूह जो किसी भी मात्रों से चलकर सम पर आ जाये, उसे मोहरा कहते हैं।

मुखड़ा – मोहरा से बड़ा लेकिन टुकड़ा से छोटा जोरदार बोल समूह गाने बजाने के क्रम में सम पर आता है, उसे मुखड़ा कहते हैं।

कुछ लोग इसे छोटो-उठान के रूप में भी प्रयोग करते हैं।

टुकड़ा – कुछ बोल समूह बजाकर एक या एक से अधिक आवर्त्तन में तिहाई के साथ सम पर आने को टुकड़ा कहते हैं।

टुकड़े का कायदा, रेला, लग्गी, लड़ी जैसा विस्तार नहीं होता है। टुकड़े छोटा और बड़ा दोनों प्रकार के होते हैं।

संगीत – गायन, वादन और नृत्य के संगम को संगीत कहते हैं।

प्रश्न और अभ्यास :

1. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा लिखें :

   ताल, मात्रा, लय, विभाग, सम।

2. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा लिखें :

   ताली, खाली, कायदा, पल्टा-तिहाई, मोहरा, मुखड़ा, टुकड़ा एवं संगीत।